

**MAYUR UNIQUOTERS LIMITED**

Manufacturers of Artificial Leather/PVC Vinyl

Ref: MUL/SEC/2025-26/33**Date: July 31, 2025**

To,

BSE Limited
Phirozee Jeejeebhoy Towers,
Dalal Street,
Mumbai-400001
(Maharashtra)
(Scrip Code: BSE- 522249)

National Stock Exchange of India Ltd
Exchange Plaza, 5thFloor, Plot No. C/1,
G-Block, Bandra-Kurla Complex,
Bandra (East), Mumbai-400 051
(Maharashtra)
(Trading Symbol: MAYURUNIQ)

Subject: Newspaper advertisement of Extract of Un-Audited Standalone and Consolidated Financial Results for quarter ended on June 30, 2025.

Dear Sir/Madam,

Please find enclosed herewith a copy of the newspaper advertisement of extract of the un-audited Standalone and Consolidated Financial Results for quarter ended on June 30, 2025 published in the English and Vernacular Language newspaper on July 31, 2025.

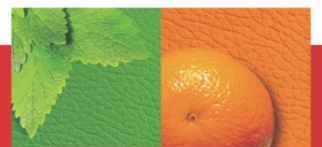
You are kindly requested to take the same on record.

Thanking you,

For Mayur Uniquoters Limited

Kapil Arora
Company Secretary and Compliance Officer
ACS 57885

A Texture For Every Idea

**Correspondance Address:**

28, 4th Floor, Lakshmi Complex, MI Road, Jaipur-302001 (Rajasthan) India • Tel: +91-141-2361132 • Fax: +91-141-2365423

Regd. Office & Works: Village Jaitpura, Jaipur-Sikar Road, Jaipur-303704 (Rajasthan) India • Tel: +91-1423-224001 • Fax: +91-1423-224420

Email: info@mayur.biz • www.mayuruniquoters.com

कैफे नॉर्मर्स : मारुति ने किया स्मॉल कार पर डबलडाउन

जयपुर@ऑटो डेस्क

कैफे पर बड़ी ब्रेनस्टॉर्मिंग चल रही है। मारुति सुजुकी स्मॉल कारों के लिए एमिशन नॉर्मर्स में रियायत की मांग पर लगातार दबाव बढ़ा रही है। सेल्स वॉल्यूम और मैनुफैक्चरिंग इकोसिस्टम के लिहाज से मारुति की डिमांड को डायनॉसिस करना इतना आसान नहीं है इसलिए अब चर्चा है कि सियाम कैफे नॉर्मर्स पर नए सिरे से विचार करना चाहता है।

सियाम की पिछले सप्ताह दिल्ली में हुई एक मीटिंग में सहमति इस बात पर बनी कि ऑटो इंक द्वारा दिसंबर में सरकार को भेजे गए कैफे नॉर्मर्स और रूल्स के प्रोजेक्ट को बरकरार रखते हुए स्मॉल कार और कुछ एलसीवी के लिए रियायत का सुझाव दिया जाएगा। मारुति, टाटा, और महिंद्रा जैसे ओईएम के प्रतिनिधियों ने यह तय किया कि यह मुद्दा अब सियाम की एक्जिक्यूटिव काउंसिल को सौंपा जाएगा जो इसके टेक्नीकल फ्रेमवर्क पर विचार करेगी। जहां मारुति ने छोटी कारों के लिए रियायत की मांग रखी, वहीं कई अन्य कंपनियों ने एकजुट होकर



मारुति की मांग का विरोध किया। चर्चा है कि गंभीर नेगोशिएशन के बाद सियाम ने पिछले प्रोजेक्ट में ही एक एनेक्जर (परिशिष्ट) के रूप में नए सुझावों को जोड़ा जाएगा। और यदि इसे सभी कंपनियों स्वीकार करती हैं तो उसे शामिल किया जाएगा।

मारुति का फोकस स्मॉल और कॉम्पैक्ट कारों पर है। एक टन से कम वजन वाली कारों के लिए मारुति ने कैफे 3 एमिशन नॉर्मर्स में विशेष रियायत की मांग की है। हालांकि दिसंबर में भेजे प्रोजेक्ट में सभी कार निर्माताओं के लिए समान छूट मांगी गई थी। लेकिन मारुति अब स्पेशल ट्रीटमेंट की मांग कर रही है। कैफे 3 नियम जो अप्रैल 2027 से लागू होंगे। इनका उद्देश्य नए पीवी में औसत कार्बन एमिशन को कम करना है। प्रस्तावित लक्ष्य है कि 1,170 किलोग्राम वजन वाले एक औसत वेहीकल के लिए यह लिमिट 91.7 ग्राम प्रति किमी की है। इन नियमों में भारी वाहनों के लिए कुछ रियायत है लेकिन स्मॉल वेहीकल्स के लिए नॉर्मर्स बहुत कड़े हैं जिनका मारुति विरोध कर रही है। सियाम के आंकड़ों के अनुसार, मिनी सेगमेंट (3.6 मीटर लंबाई तक) में डॉमैस्टिक सेल्स वित्त वर्ष 19 में 4,60,772 यूनिट से घटकर वित्त वर्ष 25 में 1,33,397 यूनिट रह गई यानी 71% की गिरावट। मारुति की इस सेगमेंट में सेल्स वित्त वर्ष 19 में 3,68,990 यूनिट से घटकर वित्त वर्ष 25 में 1,25,770 यूनिट रह गई।

India CAFE emission norms timeline

CAFE Phase	Effective From	CO2 Limit	Key Features
Phase 1	April 2017	130 g/km	Applied to PVs under 3.5T, weight-based targets
Phase 2	April 2022	113 g/km	Stricter limits, credit system for EVs/hybrids, linked to fuel efficiency
Phase 3 (Proposed)	Likely 2027	< 100 g/km (expected)	Aligned with Net-Zero goals, may include real-world emissions & LCA



होंडा की एन-वन...

मैन मैक्सीमम मशीन मिनिमम ब्रांड फिलोसोफी वाली जापानी दिग्गज होंडा ने ईवी सैगमेंट को डिसरप्ट करने की तैयारी कर ली है। कंपनी कॉम्पैक्ट ईवी एन-वन ई को सितंबर में लॉन्च करने की तैयारी कर रही है। केई (माइक्रो कार) मॉडल एन-वन के इस इलेक्ट्रिक अवतार का प्रोटोटाइप कुछ महीने पहले गुडवुड फेस्टिवल ऑफ स्पीड में शोकेस किया गया था। इस बॉक्सी डिजाइन वाली ई-कार एन-वन में राउंड हैडलैंप, हाई रूफ, क्लोज ग्लिल जैसे रिट्रो फीचर्स हैं। सिर्फ 3400 मिमी लंबी इस कार का इंटीरियर भी बिल्कुल रिट्रो है जिसमें फिजिकल बटन, रोटरी वॉल्यूम डायल, स्मार्टफोन के लिए शेलफ, और 50:50 फोल्डिंग रियर सीट्स हैं जैसे बेसिक फीचर्स हैं। इसमें बटन ऑपरेटेड वन-पेडल ड्राइविंग मोड भी शामिल है। इसमें 63 वीएचपी पावर और 162 एनएम टॉर्क वाली सिंगल फ्रंट मोटर और 29.6 किलोवॉट जिसकी ड्राइव रेंज करीब 270 किमी है। सबसे बड़ा दावा यह है कि 50 किलोवॉट डीसी फास्ट चार्जर से यह केवल 30 मिनट में फुलचार्ज हो जाती है। इस कार में वेहीकल-टू-लॉड (वी2एल) और वेहीकल-टू-होम (वी2एच) क्षमता, जिससे यह घर के उपकरणों को बिजली दे सकती है। पहले होंडा 2030 तक अपनी ग्लोबल सेल्स में 30 परसेंट ईवी का टारगेट लेकर चल रही थी। लेकिन ईवी सेल्स प्रोथ में करेक्शन आने के बाद कंपनी अब 13 नए हाइब्रिड इलेक्ट्रिक वाहन (एचईवी) लॉन्च करने के प्लान पर काम कर रही है। कंपनी 2030 तक सालाना 20 लाख न्यू एनर्जी वेहीकल के सेल्स लेवल तक पहुंचना चाहती है।

ऑटो व्रीफ

बजाज ऑटो की सब्सिडियरी बनी केटीएम का प्लांट फिर हुआ शुरू

नई दिल्ली@एजेसी। दोपहिया वाहन निर्माता केटीएम ने ऑस्ट्रिया के मैटीगहॉफेन स्थित अपने प्रमुख प्लांट संयंत्र में फुल कैपेसिटी से उत्पादन फिर से शुरू कर दिया है। यह कदम बजाज ऑटो द्वारा 7,200 करोड़ की वित्तीय सहायता देने के बाद संभव हुआ है। अप्रैल 2025 के अंत में कंपोनेंट्स सप्लाई की कमी और लिक्विडिटी संकट के चलते कंपनी को संचालन स्थगित करना पड़ा था।

बजाज ऑटो ने 22 मई को घोषणा की थी कि वह केटीएम में लगभग 7,200 करोड़ का निवेश करेगी। इस वित्त पोषण में एक ऋण पैकेज भी शामिल था, जिसका उद्देश्य कंपनी की व्यावसायिक निरंतरता सुनिश्चित करना था। केटीएम ने 2024 के अंत में लंबे समय से चली आ रही वित्तीय चुनौतियों और वैश्विक विक्री में गिरावट के चलते सेल्स एडमिनिस्ट्रेशन की प्रक्रिया शुरू की थी। जून 2025 में एक ऑस्ट्रियाई अदालत ने आधिकारिक रूप से कंपनी के पुनर्गठन को मंजूरी दे दी, जिसके बाद अब केटीएम ने मोटरसाइकल, स्पेयर पार्ट्स, एक्सेसरी और मर्चेन्डाइज का उत्पादन सभी साइड्स पर फिर शुरू करने की तैयारी की है। 2023 में केटीएम ने मैटीगहॉफेन संयंत्र में 2.1 लाख से अधिक मोटरसाइकलों का उत्पादन किया था, जबकि पूरे यूरोप में कंपनी का कुल उत्पादन 3.8 लाख यूनिट से अधिक रहा था। हालांकि, इस साल की शुरुआत में उत्पादन में आई रुकावट मुख्य रूप से कंपोनेंट की कमी के कारण लंबी खिंच गई थी। इसके अतिरिक्त केटीएम ने हाल ही में घोषणा की है कि वह अब ऑस्ट्रिया, जर्मनी, ब्रिटेन, स्पेन और स्विट्जरलैंड में सीएफमोटो और जीहो के इलेक्ट्रिक दोपहिया वाहनों की विक्री नहीं करेगी। यह निर्णय 1 जून 2025 से प्रभावी हुआ है। 2013 से जारी वितरण समझौता आपसी सहमति से समाप्त कर दिया गया है, हालांकि निर्माण साझेदारी जारी रहेगी। बजाज ऑटो के इस रणनीतिक निवेश से केटीएम को न केवल परिचालन बहाल करने में मदद मिली है, बल्कि यूरोपीय मोटरसाइकल बाजार में अपनी स्थिति फिर से मजबूत करने का अवसर भी मिला है।

जनवरी-जून में टोयोटा का ग्लोबल प्रॉडक्शन और सेल्स रिकॉर्ड लेवल पर पहुंचा

टोक्यो@एजेसी। टोयोटा ने कहा कि वर्ष की पहली छमाही (जनवरी-जून) में उसका ग्लोबल प्रॉडक्शन और सेल्स दोनों ही रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गए। कंपनी ने कहा कि पहली छमाही में नॉर्थ अमेरिका, जापान और चीन जैसे बाजारों में टोयोटा प्रॉडक्ट्स की मजबूत मांग रही। दुनिया की सबसे बड़ी वाहन निर्माता कंपनी की ग्लोबल सेल्स जनवरी-जून अवधि में 5.5 परसेंट की सालाना ग्रोथ के साथ 5.1 मिलियन यूनिट्स से अधिक रही। इस ग्रोथ का बड़ा कारण हाइब्रिड वेहीकल्स की मजबूत डिमांड भी है। कंपनी ने कहा कि पहली छमाही में उसकी कुल ग्लोबल सेल्स में हाइब्रिड वेहीकल्स का शेयर 43 परसेंट था। इसी अवधि में, टोयोटा का ग्लोबल प्रॉडक्शन भी 5.8 परसेंट की ग्रोथ के साथ 4.9 मिलियन वाहनों तक पहुंच गया। सिर्फ जून महीने की बात करें तो, ग्लोबल सेल्स 1.7% बढ़कर 867,906 यूनिट्स रही, जबकि प्रॉडक्शन 7.4% बढ़कर 854,565 यूनिट्स रहा। टोयोटा के प्रॉडक्शन और सेल्स डेटा में टोयोटा के साथ ही लेक्सस भी शामिल है।

वैरायती

रिलायंस का FMCG में जियो प्लान



नफा नुकसान रिसर्च

कुछ साल पहले की बात है...रतन टाटा के एक स्टेटमेंट से मुकेश अंबानी नाराज हो गए थे। रतन टाटा ने कहा था कि टाटा ग्रुप इंडस्ट्रियलिस्ट है और रिलायंस ग्रुप ट्रेडर...। अब रिलायंस ग्रुप वाकई ट्रेडर के रूप में बहुत तेजी से अपने कदम आगे बढ़ा रहा है। रिलायंस जियो के बाद रिलायंस रिटेल...बड़े पावरहाउस बनकर उभरे हैं।

पिछले वित्त वर्ष (2024-25) में रिलायंस रिटेल का एफएमसीजी बिजनेस 11,500 करोड़ के टर्नओवर

तक पहुंच गया। और इस तरह यह एफएमसीजी कंपनियों के इलीट क्लब में शामिल हो गई है। जहां बड़ी एफएमसीजी कंपनियां वॉल्यूम ग्रोथ के लिए संघर्ष कर रही हैं और प्रीमियम पर फोकस बढ़ा रही हैं वहीं रिलायंस का फोकस बॉटम ऑफ द पिरामिड पर है और मास कंज्यूमर सेगमेंट में पोर्टफोलियो का विस्तार कर रही है। वेल्थेड पर्सनल केयर, सिल एंड सॉस, रावलगांव कन्फेक्शनरी जैसे पुराने बड़े ब्रांड्स को कंपनी पोर्टफोलियो में जोड़ चुकी है। इन मास मार्केट ब्रांड से भी कंपनी की पोजिशनिंग स्ट्रेटजी का अंदाजा हो जाता

है। जहां ज्यादातर एफएमसीजी कंपनियां स्लो डिमांड और कमजोर वॉल्यूम ग्रोथ की शिकायत कर रही हैं वहीं रिलायंस ने कैप्सा कोला और इंडिपेंडेंस (बॉटलड वाटर ब्रांड) के जरिए जनरल ट्रेड (किराना स्टोर्स) पर फोकस बढ़ा दिया है। कंपनी बहुत तेजी से किराना स्टोर्स पर चिलर-कूलर लगा रही है।

रिलायंस ने कैप्सा कोला की 200 मि.ली. की बोतल 10 में लॉन्च की, जिससे पेप्सी और कोका कोला को क्रीम चटाने पर मजबूर होना पड़ा। नीलसन के डायरेक्टर रहे श्रीप्रकाश श्रीधरन के अनुसार, रिलायंस का मार्केट शेयर हाई सिंगल डिजिट या लो डबल डिजिट में पहुंच चुका है। रिलायंस ने 750 मिली पानी 10 रुपये में लॉन्च किया है जबकि बाकी ब्रांड्स 1 लीटर पानी 20 रुपये में बेचते हैं। रिलायंस मार्जिन प्ले कर रहा है और किराना स्टोर्स को मार्जिन बहुत पसंद आता है।

जियो, जियोस्टार और रिलायंस रिटेल यानी कंपनी के पास वॉल्यूम गेम में शामिल होने का पूरा इकोसिस्टम है जो अन्य एफएमसीजी कंपनियों के पास नहीं है। एक्सपर्ट्स कहते हैं नहीं। अर्न्स्ट एंड यंग के

अंशुमान भट्टाचार्य कहते हैं एफएमसीजी ब्रांड बिल्डिंग केवल अतिग्रहण और डिस्ट्रीब्यूशन नहीं है। लॉन्गटर्म ब्रांड वैल्यू बनानी पड़ती है। केवल ज्यादा मार्जिन से बात नहीं बनेगी। ब्रांड का स्टोर में प्लेसमेंट और

कंज्यूमर डिमांड में असली खेल होता है। हिंदुस्तान यूनीलिवर जैसे कई बड़े ब्रांड्स अब डायरेक्ट टू स्टोर सेगमेंट में कदम रख रहे हैं। दूसरी ओर रीजनल ब्रांड्स जैसे फेना, चड़ी और पंचकन्या आदि लगातार बड़े ब्रांड्स के मार्केट में संघ लगा रहे हैं।

Mukesh Poddar 8949153046 8709034682

तनिष्का पैकेजिंग मशीन

सभी प्रकार की पैकेजिंग मशीन, पैकेजिंग मैटेरियल एवं स्पेयर पार्ट्स

LG-42, पयंक ट्रेड सेंटर, स्टेशन रोड, जयपुर

मयूर यूनीकोटर्स लिमिटेड

पंजीकृत कार्यालय एवं फैक्ट्री : जयपुर सिटी रोड, गांव जैतपुरा, तहसील चौमू, जिला जयपुर, 303704 (राजस्थान) भारत

वेबसाइट : www.mayuruniquoteers.com ईमेल : secr@mayur.biz टेलीफोन : 91-1423-224001

फैक्स : 91-1423-224420 सीआईएन : एल18101आरजे1992पीएलसी006952

30 जून 2025 को समाप्त तिमाही के लिए समेकित वित्तीय परिणामों का सार

(रुपये लाख में, शेयर व प्रति शेयर डाटा के अलावा)

क्र. सं.	विवरण	समाप्त तिमाही		समाप्त वर्ष	
		30.06.2025 (अनअकेक्षित)	31.03.2025 (अनअकेक्षित)	30.06.2024 (अनअकेक्षित)	31.03.2025 (अकेक्षित)
1.	परिचालन से कुल आय	23,543.82	26,211.04	22,404.77	92,086.25
2.	व्याज, कर डेडिक्शन व एमोर्टाईजेशन से पूर्व लाभ	6,254.65	6,456.78	5,902.68	23,180.51
3.	अवधि के लिए कर पूर्व शुद्ध लाभ (हानि)	5,497.48	5,694.84	5,137.31	20,128.36
4.	अवधि के लिए कर पश्चात शुद्ध लाभ (हानि)	4,072.91	4,150.23	3,737.80	14,928.94
5.	अवधि के लिए कुल आय	4,074.31	4,183.32	3,782.78	15,091.73
6.	अंश पूंजी (रुपये 5 प्रति शेयर अंकित मूल्य)	2,172.63	2,172.63	2,197.63	2,172.63
7.	अन्य अंश पूंजी (रिजर्व)	-	-	-	93,384.56
8.	प्रति शेयर आय : मूल : (रुपये में) घुलित : (रुपये में)	9.37 9.37	9.54 9.54	8.50 8.50	34.18 34.18

नोट्स : सेबी (एलओडीआर) के नियम 47(1) (बी) के अनुसार कंपनी की स्टैंडअलोन वित्तीय जानकारी : (रुपये लाख में, शेयर व प्रति शेयर डाटा के अलावा)

क्र. सं.	विवरण	समाप्त तिमाही		समाप्त वर्ष	
		30.06.2025 (अनअकेक्षित)	31.03.2025 (अनअकेक्षित)	30.06.2024 (अनअकेक्षित)	31.03.2025 (अकेक्षित)
1.	कारोबार	20,641.18	21,418.09	19,474.17	82,020.64
2.	परिचालन लाभ (व्याज, कर, डेडिक्शन व एमोर्टाईजेशन से पूर्व लाभ)	6,282.09	5,620.28	5,334.61	22,043.75
3.	कर पूर्व लाभ	5,531.67	4,865.21	4,575.50	19,019.54
4.	कर पश्चात लाभ	4,122.70	3,501.52	3,472.65	14,100.87

*उपरोक्त जानकारी समाप्त तिमाही एवं वित्तीय वर्ष के अनअकेक्षित व्योवर वित्तीय परिणामों से तैयार की गयी है जो कि सेबी (सूचीकरण बाधकताएं एवं प्रकटीकरण आवश्यकताएं) विनियमन 2015 के विनियमन 33 के अंतर्गत स्टॉक एक्सचेंज में बाजार को गयी है। समाप्त तिमाही एवं वित्तीय वर्ष के लिए अनअकेक्षित स्टैंडअलोन एवं समेकित वित्तीय परिणामों का सम्पूर्ण प्राथमिक एक्सचेंज की वेबसाइट www.nseindia.com एवं www.bseindia.com तथा कंपनी की वेबसाइट www.mayuruniquoteers.com पर उपलब्ध है। नीचे दिये गए न्यूआर कोड को स्कैन करके इसे प्राप्त किया जा सकता है।

निदेशक मण्डल के आदेशानुसार मयूर यूनीकोटर्स लिमिटेड वाले हस्ताक्षर सुरेश कुमार पोद्दार अध्यक्ष, प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी DIN-00022395

स्थान : जयपुर दिनांक : 30 जुलाई, 2025

खून का रंग देख डॉक्टर हुए दंग...



बेंगलुरु के डॉक्टरों की खोज को इंटरनेशनल लेवल पर वैज्ञानिक मान्यता दी गई है। यह मामला कर्नाटक के कोलार जिले के आर. एल. जलप्पा अस्पताल से शुरू हुआ, जब 38 वर्षीय महिला को दिल की सर्जरी के लिए भर्ती किया गया। ऑपरेशन से पहले जब उसके लिए मैचिंग ब्लड ढूंढा गया, तो अस्पताल में कोई भी ब्लड मिल नहीं पाया। उसका ओ पोजिटिव ग्रुप वाला ब्लड बाकी सभी सैंपल्स के साथ रिपैक्ट कर रहा था। जब मामला गंभीर लगा, तो डॉक्टरों ने इस ब्लड सैंपल को रोटर्री बैंगलोर टीटीके ब्लड सेंटर भेजा गया। जांच में पता चला कि महिला का ब्लड...पैन-रिएक्टिव...था—यानी वह किसी भी सामान्य ब्लड के साथ मैच नहीं हो सकता। महिला के बीस परिवार वालों की जांच की गई जो किसी का भी ब्लड मैच नहीं हुआ। डॉक्टरों ने ऑपरेशन बिना ब्लड चढ़ाए पूरा किया। महिला की स्थिति स्थिर है, लेकिन भविष्य में यदि उसे कभी सर्जरी करानी पड़े तो खुद अपना ब्लड कलेक्ट करना पड़ेगा। महिला के ब्लड सैंपल को इंटरनेशनल ब्लड ग्रुप रेफरेंस लैबोरेटरी, ब्रिस्टल, यूके भेजा गया। दस महीनों की जांच के बाद क्रोमर सिस्टम से जुड़ा एक नया एटीजन मिला। इसका नाम रखा गया सीआरआईवी (क्रिब) यानी क्रोमर इंडिया बेंगलुरु...। जून 2025 में इस मामले को इंटरनेशनल लेवल पर मान्यता दी गई। यह महिला इस दुर्लभ एटीजन वाली पहली व्यक्ति है जिसका रिकॉर्ड है।

